**वादी की ओर से प्रति उत्तर**

**(Reaplication on behalf of the Plaintiff)**

न्यायालय...........

वाद नंबर ............ सन् ........

अ० ब०स० ............ वादी

**बनाम**

स०द० फ० ............ प्रतिवादी

श्रीमान जी

प्रार्थी/वादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

**मूल आपत्तियों का उत्तर**

यह कि पैरा 1 मूल आपत्तियों का कथन गलत है जो अस्वीकार है। वाद पत्र पर अधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर और सत्यापन किया गया है।

**गुण दोष के आधार पर उत्तर** :

1. यह कि जवाब दावे का पैरा 1 स्वीकार है जिसका उत्तर देने की आवश्यकता नहीं।

2. यह कि पैरा 2 जवाब दावे का कथन गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरे की पुष्टि की जाती है। वाद पत्र अधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित है।

3. यह कि जवाब दावे के पैरा 3 का कथन अस्वीकार है और वाद पत्र से सम्बन्धित पैर के कथन की पुष्टि की जाती है । प्रतिवादी द्वारा यह प्रमुख रूप से स्वीकार किया गया है कि वह वादा से बहुत सी विद्युत वस्तुयें क्रय किया करता था।

4-6. यह कि जवाब दावे के पैरा 4 से 6 तक प्रतिवादी द्वारा स्वीकार किये गये हैं। उत्तर दन की आवश्यकता नहीं है।

7. यह कि जवाब दावे के पैरा 7 के सम्बन्ध में वाद पत्र के तदनरूपी पैरे के कथन का पुल की जाती है।

8. यह कि पैरा 8 जवाब दावे का कथन गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र के त पैरा के कथन की पुष्टि की जाती है।

9. यह कि वाद-पत्र के पैरा 9 का कथन प्रतिवादी द्वारा स्वीकार किया गया है।

10. यह कि यह कहना गलत है कि दिनांक ............ को अंकन रु० ............. का 3 अथवा पे आर्डर द्वारा अन्य कोई धनराशि जो कि आरोपित है भगतान किया गया था। यह अस्वीकार है कि कोई भुगतान अंकन रु० ............ अथवा अन्य धन राशि उल्लिखित प द्वारा दिनांक ............ द्वारा भुगतान की गई थी। यह भी अस्वीकार है कि वादी की कुछ वर दोषपूर्ण पाई गई थी जैसा कि आरोपित है। यह भी प्रश्न नहीं उठता कि वादी उन दोषपूर्ण वस्तु को वापिस लेने को सहमत हो गया था। यह भी अस्वीकार है कि अंकन रु० ............ का भुगता अथवा अन्य कोई धनराशि का भुगतान किया गया था जैसा कि दर्शित है।

इस तथ्य की पुष्टि की जाती है कि जवाब दावे के पैरा 6 में उल्लिखित अनेक चैकों को अनाद्रित कर दिया गया था। यह अस्वीकार है कि किसी धनराशि के वसूल करने का अंकन रु० ......... से अधिक था, कोई प्रश्न प्रतिवादी से होने का हो जैसा कि कहा गया है।

10-11. यह कि जवाब दावे के पैरा 10-11 के तथ्य गलत हैं जो स्वीकार नहीं है और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरों के कथन अथवा विषय वस्तु की पुष्टि की जाती है। यह भी अस्वीकार है कि प्रतिवादी की वादी पर कोई धनराशि देय है।

12. यह कि पैरा 12 की विषय वस्तु गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरे की दृष्टि की जाती है । यह भी पुष्ट किया जाता है कि प्रतिवादी पर वादी के दिनांक ............ के नोटिस की तामील की गई थी।

13. यह कि जवाब दावे के पैरा 13 की विषय वस्तु गलत है और अस्वीकार की जाती है और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरे की पुष्टि की जाती है।

14. यह कि जवाब दावे के पैरा 14 की विषय वस्तु गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरे की विषय वस्तु की पुष्टि की जाती है।

वादी का दावा सत्य और वास्तविक है जैसा कि कहा गया है। प्रतिवादी द्वारा अंकन रु०...... भी वादी को भुगतान नहीं किया गया था। वादी द्वारा किसी दोषपूर्ण वस्तु के सप्लाई करने का प्रश्न ही नहीं उठता। यह अस्वीकार किया जाता है कि वादी द्वारा अंकन रु० ............. की दोषपूर्ण वस्तुयें सप्लाई की गई थीं। इसलिए इस प्रकार ऐसी दोषयुक्त कही जाने वाली वस्तुओं को वापिस लिये जाने का प्रश्न ही नहीं उठता। उनके सम्बन्ध में कभी भी कोई स्मृतिपत्र नहीं भेजा गया था। यह कहना प्रतिवादी की सरासर बेइमानी है कि उसके द्वारा दिनांक ...... से व्यापारिक लेन-देन बन्द कर दिया गया है । जैसा कि प्रतिवादी की अपनी स्वीकारोक्ति है कि उसके द्वारा उक्त तिथि के काफी बाद तक भी भुगतान किये जाते रहे हैं और अंकन रु० ............. की धनराशि समय-समय पर नकद भुगतान की गई थी। यह अस्वीकार है कि वादी पर प्रतिवादी की कोई धनराशि देय है। यह भी अस्वीकार है कि वादी की कोई दोषपूर्ण वस्त्ये प्रतिवादी के पास पड़ी हुई हैं । कथित आरोप स्पष्टतया बेइमानी और दुर्भावपूर्ण है।

15. यह कि जवाबदावे के पैरा 15 की अंत: वस्तु गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरे की विषय वस्तु की पुष्टि की जाती है । वादी से प्रतिवादी द्वारा कुछ भी वसूल करने का कोई केस नहीं बनता । तथ्यों से यह स्पष्ट है कि प्रतिवादी द्वारा किसी धा राशि की माँग अथवा समायोजन हेतु कोई प्रति दावा/मुजरा दायर नहीं किया गया।

16. यह कि जवाबदावे के पैरा 16 की अंत: वस्तु गलत है जो अस्वीकार है और वादपत्र के अनुरूपी पैरे की अंत: वस्तु की पुष्टि की जाती है। यह भी अस्वीकार है कि प्रतिवादी की वादी पर कोई धनराशि देय है।

17. यह कि जवाबदावे के पैरा 17 की अंत: वस्तु गलत है जो अस्वीकार की गई और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरे की अंत: वस्तु की पुष्टि की जाती है।

18. यह कि जवाब दावे के पैरा 18 के उत्तर की आवश्यकता नहीं है।

19. यह कि जवाब दावे के पैरा 19 की विषय वस्तु गलत है जो अस्वीकार्य है और वाद पत्र \* तदनुरूपी पैरे की विषय वस्तु की पुष्टि की जाती है । यह भी अस्वीकार है कि वादी द्वारा किसी तथ्य को छिपाया गया है जैसा कि आरोपित किया गया है। अंकन रु० ............ अथवा किसी कम राशि का कोई भुगतान नही किया गया। अंकन रु० ............ की क़ीमत की अथवा अन्य मुल्य की वस्तुओं को उठाने का कोई प्रश्न नहीं है । जवाबदावे में उक्त कथन का किया जाना पर्णतया दुर्भावनापूर्ण, असदभावी और बेईमानीयुक्त है।

20. यह कि जवाब दावे के पैरा 20 की विषय वस्तु गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र के तदनुरूपी पैरे की विषय वस्तु की पुष्टि की जाती है।

21. यह कि पैरा 21 स्वीकारोक्ति के रूप में है।

जवाबदावे में बचाव के लिये कुछ भी प्रकट नहीं होता और यह तुच्छ और दुर्भावनापूर्ण है। वाद-मय हर्जे खर्चे के स्वीकार करने योग्य है।

**स्थान ............ दिनांक ........ वादी............**

**द्वारा अधिवक्ता..........**

**सत्यापन**

मैं कि ........... वादी कम्पनी का मुख्य अधिकारी होने के नाते पूर्णतया सक्षम और अधिकृत हूँ कि मैं हस्ताक्षर करूँ और प्रत्युत्तर दायर करूँ। यह सत्यापित किया जाता है कि प्रत्युत्तर पत्र के पैरा 1 तथा ............ मेरी जानकारी में सत्य और सही है और पैरा ............. से ............ तक प्राप्त जानकारी और सूचना के आधार पर सत्य और सही होने का विश्वास करता हूँ । अंतिम पैरा प्रार्थना है।

**स्थान ............. दिनांक वादी की ओर से शपथकर्ता.......**